पत्रिका

बाला देवी चंद्रशेखर को 'नाट्य कला विशारधा हा' सम्मान

समारोह के दौरान सम्मान प्रदान करते अतिथिगण।

चेन्नई @ पत्रिका. कृष्णा गाना नाट्य कला सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में विख्यात भरतनाट्यम कलाकार, विद्वान एवं शिक्षिका बाला देवी चंद्रशेखर को 'नाट्य कला विशारधा हा' सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान उनके गहन शोध, दार्शनिक दृष्टि और कलात्मक निष्ठा पर आधारित दीर्घकालीन योगदान की स्वीकृति है। सम्मान प्रदान करने वालों में साश्वती प्रभु (सीईओ, कृष्णा गाना सभा), पद्मश्री चित्रा विश्वेश्वरन, पद्मश्री डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी, वाई. प्रभु (महासचिव, कृष्णा गाना सभा), निरुपमा एवं राजेंद्र सम्मिलित थे। यह सम्मान किसी उपलब्धि का अंत नहीं, बल्कि सतत साधना, धैर्य और गहराई की यात्रा का प्रतीक है। इस अवसर ने यह भी रेखांकित किया कि परंपरा तभी जीवित रहती है जब शिक्षक, संगीतज्ञ, विद्वान, संस्थाएं, विद्यार्थी और रसिकजन निरंतर जुड़े रहें। बाला देवी चंद्रशेखर की प्रस्तुति 'मौली - ए टाइमलेस ट्रेडिशन' इसी भाव को मूर्त रूप देती है, जहां नृत्य, संगीत और दर्शन मिलकर भक्ति को सामूहिक अनुभव बनाते हैं।